



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

C Kar  
28.1.85भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)शास्त्रियकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITYसं. 440]  
No. 440]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, नवम्बर 15, 1984/कार्तिक 24, 1906

NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 15, 1984/KARTIKA 24, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

प्रधिकूलन

नई दिल्ली, 15 नवम्बर, 1984

मा. का. नि. 764(अ) —खाद्य अपमिश्न नियम, 1955 का और संशोधन करने के लिए कतिपय प्रारूप नियम, खाद्य अपमिश्न निवारण नियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 23 की उपधारा (1) की अवधारणा नुसार, भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिकूलना सं. का. धा. 9(अ) तारीख 4 जनवरी, 1984 के अधीन, भारत के राजपत्र असाधारण, खाग 2, खंड 3 उपखंड (i) तारीख 4 जनवरी, 1984 के पृष्ठ 10 से 8 पर प्रकाशित किया गया था जिसमें उन सभी व्यक्तियों से जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी उन तारीख से, जिसको उस राजपत्र की, जिसमें उक्त प्रधिकूलन प्रकाशित की गई थी उसकी प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी गई थी नजदे दिन की अवधि के अवधारणा से पूर्व आक्षेप और सुझाव मिले गए थे।

श्रीर उक्त राजपत्र की प्रतियां 4 जनवरी, 1984 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी, श्रीर केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रस्थापनाओं के संबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर विचार कर लिया है।

अतः इव फेन्ड्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय खाद्य मानक समिति से परामर्श करने के पश्चात् खाद्य अपमिश्न निवारण नियम 1955 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात् —

नियमः

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम खाद्य अपमिश्न निवारण तीसरा (संशोधन) नियम, 1984 है।

(2) में राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होने सिवाएँ नियम 2, 3, 4, 5, 7(क), 9, 10 (अ) 14(अ) और 14 (ग) के जो ऐसे प्रकाशन की तारीख के एक वर्ष पश्चात् प्रवृत्त होने।

2. खाद्य अपमिश्न निवारण नियम, 1955 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) नियम 26, में—(क) खंड (छ) का लोग किया जाएगा, (छ) स्पष्टीकरण के स्थान पर निम्नलिखित स्पष्टीकरण रखा जाएगा, अर्थात्—

4. स्पष्टीकरण : तेल में अनारों रंग का धोल तैयार करने में इन नियमों के परिणाम "ख" में सूचीबद्ध किसी भी खाद्य बनस्पति नेत्र का अकेले या किसी के साथ मिलाकर प्रयोग किया जा सकेगा और प्रयोग किए गए तेल या तेलों के नाम नियम 42 के उपनियम (2) में यथा उपर्युक्त के अनुसार लेनदेन पर उल्लिखित किया जाएगे।

3 उक्त नियमों के नियम २० म.-

(1) खण्ड (च) के स्थान पर निम्ननिविष्ट खण्ड रखा जाएगा,  
अर्थात् —(च) बातलबद या डिक्काबद स्टार्ची और चेरा, आतलबद वा  
डिक्काबद मटर, परिस्त्रित या प्रसकृति पापांश, डिक्काबद टमाटर  
वा रस, फल सिर्प, फल स्ट्रेस, (शर्वत) कर पैय वा हर पदिया,  
मुख्या ग्रोग मार्मलेट” (ii) खण्ड (1) का लाइसेंस जाएगा,4 उक्त नियमों के नियम ४२ मे ३७ तिम (ग) ने पश्चात् निम्न-  
निविष्ट उपनियम अवस्थापति किया जाएगा अर्थात् —2(ग) जिन पैकओं मे बनस्पति तेलों मे अनारो रस अन्विष्ट  
है उन पर निम्ननिविष्ट लेबल लगा होगा, अर्थात् —

“तल मे अनारो रस

प्रयोग करा गए

[तेल/तांदी का नाम]

5 उक्त नियमों के नियम ४८ के मे, खण्ड(VI) के स्थान पर निम्न नियन्त्रित  
राष्ट्र रस, जूगा जर्मीन —II (VI) सभी खाद्य रसों का जिनके अतिर्गत उनके बेसरी और  
पीले रस से भिन्न प्राकृतिक रसों पदार्थ और अनुशासन कालानां  
खाद्य रस, उनकी निर्मिति या सम्मिश्रण भी है, विक्रय केवल भार-  
तीय मानक सम्मान प्रमाणन किल्हे से अधीन किया जाएगा।

6 उक्त नियमों के नियम ५३ मे—

(4) खण्ड (ग) मे, —

(i) मद (इ) और उसमे संबंधित प्रविष्टि का लोप किया जाएगा,

(ii) मद (ट) और उसमे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् निम्न-  
निविष्ट मद म० और प्रविष्टि अवस्थापति की जाएगी, अर्थात्  
“(i) खाद्य बनस्पति तेल,(ख) खण्ड (ii) मे, मद (इ) मे शब्द “ओर” का लोप किया  
जाएगा और मद (इ) और उसमे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात्  
निम्ननिविष्ट मदे और प्रविष्टिया अवस्थापति की जाएगी, अर्थात् —(छ) भेदिल या प्रोपिल ऐलाहाइयसी ब्रेजोड़क,  
(ज) प्रोक्लिनिक अम्ल, जिसके अन्तर्गत गट्टर या उक्तक भवण हैं,  
(ग) सार्डियम डाईग्लास्ट और  
(ज) मोंडियम, पाटाणियम और वैनियम और लैकिट अम्ल के  
वरण ।”

7 उक्त नियमों के नियम ५५ मे की मारणी मे—

(क) मद म० १ मे उपमव (क) और उसमे संबंधित प्रविष्टियों  
के स्थान पर निम्ननिविष्ट उप-मद और प्रविष्टिया रखी जाएगी,  
अर्थात् —

(क) चेरी मल्फरडाइप्राक्साइड 2000”

(ख) मद ११ और उसमे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्ननिविष्ट मद  
और प्रविष्टिया रखी जाएगी अर्थात् —1 2 3  
“१२ (क) टूप (डिक्काबद मल्फरडाइप्राक्साइड  
मे भिन्न)

(ख) मस्ता सूप 1500

(ग) निजर्मित मूप मि-

शन जब डिक्को से भिन्न  
आश्रामी मे भी एक किया

जाता है। 1500

1	2	3
३३ फल श्रीर शाक शर्क	मल्फरडाइप्राक्साइड	600
पाउडर, अजीर		

34 मार्जित खाद्य के लिए मार्जित डाईग्लास्ट

आदा या प्रायामसेट या

मीठिन या ग्राहित हाइड्रोजैट बैनजोपट 500

8 उक्त नियमों के भाग 10 मे नियम ५५ के पश्चात् निम्ननिविष्ट

नियम अवस्थापति किया जाएगा, अर्थात् —

“५५व. नाइट्रो और नाइट्रोइट के प्रयोग पर निवेदन—

किसी शिशु आहार मे कोई नाइट्रो या नाइट्रोइट नहीं मिलाया

जाएगा।”

५ उक्त नियमों के भाग II मे निम्ननिविष्ट भाग अवस्थापति किया  
जाएगा, अर्थात् —“भाग II के कमल सद्वय और प्राकृतिक रस मे पैशा होने वाला  
पदार्थ५५-क कमल सद्वय—(1) कमल सद्वय से ऐसी पदार्थ अभियोग  
है ओ खाद्य मे रंगण नहीं मिलता जाता है, किन्तु ओ खाद्य पदार्थों  
मे उनके उत्पादन की प्रक्रिया (जिसके अतिर्गत खेती करने, पशुपालन और  
पशु प्रयोगी मे कोई सक्रियाए भी है), विनिर्माण, प्रसस्फरण निर्मिति,  
प्रविक्षियांवयन, वैक गृहने, पैकेज करने या ऐसी खाद्य बन्तुओं के परि-  
वहन पकड़ना म—

पर्यावरण सद्वय के परिणाम स्वरूप मिश्र जाने है।

(2) नीबू वी गर्ड मारणी के नियम (2) मे विनिर्दिष्ट किसी खाद्य  
पदार्थ म उक्त मारणी के स्तरम (I) की अव्याप्ति प्रविष्टि मे विनिर्विष्ट  
केवल सूखपान, उक्त मारणी के ग्रन्थ ३ की अव्याप्ति प्रविष्टि  
मे विनिर्विष्ट माला से अधिक नहीं होते।

संदूषण का नाम	खाद्य मारणी	मि धा कि शा०
एफ्लाटोसीन	मनी खाद्य मारणी	० ०३

५२-व. प्राकृतिक रस मे पैशा होने वाले विवेके पदार्थ—

नीबू वी गर्ड मारणी के स्तरम (1) मे विनिर्दिष्ट विवैके पदार्थ जो  
किसी (खाद्य पदार्थ मे प्राकृतिक रस सौंपा होते हैं उक्त मारणी के स्तरम  
(2) के अव्याप्ति प्रविष्टि मे विनिर्दिष्ट परिमाम से अधिक नहीं होता।

पदार्थ का नाम	अधिकतम परिमीता
प्रेसरिक अम्ल	100 पी पी एम
हाइड्रोमाप्लिक अम्ल	५ पी पी एम
हाइपरिस्मीन सेकरात	१ पी पी एम 10 पी पी एम

१० उक्त नियमों के नियम ०५ मे—

(क) पहले पर्युक्त मे मद ५ और उसमे संबंधित प्रविष्टियों के  
स्थान पर निम्ननिविष्ट मद और प्रविष्टिया रखी जाएगी, अर्थात्  
‘५ एम्ब्रोजिल पालमीटे ० २ प्रतिशत’

(श) पात्रवे परंतुक में, "श्रीर शूटिंग्स लाइसेन्स टास्क्फून (बी. एच. टी.)" या तो अकेला या सम्मुख रूप में "शूटिंग, कोल्डकों और अन्यरों का लोग किया जाएगा।

11. उक्त नियमों के नियम 62 से के परंतुक के स्थान पर निम्नलिखित परंतुक रखे जाएंगे अर्थात् —

(i) परंतु खाल नमक, प्याज के पाउडर, लहौर के पाउडर, कलों के रूप में या तो अकेले या संयुक्त रूप से 2.0 प्रतिशत ग्राहिक की सात्रा में नहीं होंगे, अर्थात् :—

(1) बैलिंग्यम और बैनीलिंग्यम के कार्बोनेट

(2) बैलिंग्यम और बैनीलिंग्यम के फास्फेट

(3) कैलिंग्यम, बैनीलिंग्यम, एन्युमिनिंग्यम या गोडिंग्यम के गिलिंग्येट या गिलिंवन लाईटिंग्याराइट

(4) एन्युमिनिंग्यम आगानिंग्यम, बैलिंग्यम, पांटासिंग्यम या नॉटिंग्यम के मार्फिंस्ट्रेट, पाल्सीट्रेट या गिंट्रेट।"

12. उक्त नियमों के भाग 1, में—

(क) गोवंक के स्थान पर निम्नलिखित गोवंक खाल जाएगा, अर्थात् —  
"भाग 13—सुखविकारक और सद्विधि पदार्थ"

(श) नियम 61, 61 क, 61 क के अब 64 तक स्थान पर निम्नलिखित नियम रखे जाएंगे अर्थात् —

"64.—सुखविकर में विवायफ—डायूप्रिनोन म्यायीकारक और मोलोप्ट-कारेशर को सुखविकर में विवायक के रूप में उत्पादन नहीं किया जाएगा।

64-क. गुणात्मक में प्रति आक्षमीकारक, पायमीकारक और म्यायीकारक यांत्र खाल अर्थसंक्षी का उत्पादन—सुखविकारकों में अनुप्राप्त प्रतिस्पर्शात्मकारक, पायमीकारक आंतर म्यायीकारक और खाल अर्थसंक्षी होंगे।

64-व्य. मोलोगांडिंग्यम और गैस्ट्रोट्रेट का उत्पादन—मोलोगांडिंग्यम, म्लूटोनेट का उत्पादन—मोलोगोडिंग्यम, ग्लूटोनेट खाल वयार्च में सिद्धाया जा सकेगा परंतु यह तब जब कि लैपार खाल वयार्च में कुप म्लूटोनेट की अवैष्ट्यु 1 प्रतिशत से अधिक न हो। यह किसी गेंगे आज्ञार में नहीं मिलाया जाएगा जो वारह मास से कम अवृंत के शिण द्वारा उत्पादन के लिए है।

13. उक्त नियमों के भाग 15 के पश्चात् निम्नलिखित भाग प्रगत्यापित किया जाएगा, अर्थात् —

"भाग 16 प्रेष्ठादाक उभय प्रतिरोधक (अम्ल कारक और लवण)

70. प्रचलात्कर्कों को परिचाया ——प्रचलात्कर्क वे पदार्थ हैं जो कोल्ड बगान वाले खालों के शाकीयकरण श्वाकर तथा उत्प्रेरण वाली धातुओं के प्रतिकूल प्रभाव का गोकर्ण है, जिसमें कि विशेषीकरण अस्थाद और विकृत गंभी को रोका जा सके।

71. उभय प्रतिरोधकोंको को परिचाया उभय प्रतिरोधी कारक वे पदार्थ हैं जो, भैंडारकरण और प्रमस्करण के दोगन अस्थाय प्रीर आरोग्य परिवर्तनों को रोकने के लिए प्रयोग किए जाते हैं, जिनमें कि खालों की सच्चि और म्यायीतत्व वह जाता है।

72. प्रचलात्कर्कों और उभय प्रतिरोधी कारकों के उत्पोदन एवं निवेदन ——इन नियमों में जब तक अन्यथा उपर्युक्त न हो तो तो दी गई आखी के संबंध (1) में विनिर्दिष्ट प्रचलात्कर्क और उभय प्रतिरोधी कारक उक्त सामग्री के स्वंभूत (2) की तस्वीरी प्रविलिंग में विनिर्दिष्ट खाल के समूह में, उक्त मार्गीयों वो भूम (3) में जो परिचाय में विनिर्दिष्ट भ्रगालों में अन्तर्धक साइटों में उत्पादन किए जा रहे हैं।

मार्गीय	खाल के समूह	उत्पादन का अविस्तर स्वरूप प्रतिरोधी तात्पर्य के तात्पर्य
प्रचलात्कर्क और उभय प्रतिरोधी तात्पर्य के तात्पर्य	खाल के समूह	उत्पादन का अविस्तर स्वरूप प्रतिरोधी तात्पर्य के तात्पर्य
1. एमीटिक अम्ल	(1) पेंटें, गुडु पदा में आन्ती- और एम पा लग्न, उभय प्रतिरोधी द्वारा परिसीमित कारक और नियमावान कारक	3,000
2. एडिपिक आम	प्रतिरोधी तात्पर्य के तात्पर्य	250
3. असोनिंग्यम	इवलरोटी का न्यायप्रंगक कार्बोनेट एक धारकी	2,500
4. अमोनियम कोर्स- अंगिन खालों, मिट्टानों के लिए नेट	किंवदन कारक मिट्टानों में	5,000
5. बैलिंग्यम स्व- कारेशर	बैलिंग्यम स्व- कारेशर	2,500
6. बैलिंग्यम कार्बोनेट	कई खालों में नियमावान कारकों के रूप में।	10,000
7. बैलिंग्यम अर्साइड	विनिर्दिष्ट द्वारा उत्पादनों में नियमावान कारक के रूप में	2,500
8. पिट्रिक अम्ल	बावर्नेटिन पद्य और प्रकीर्ण जी एम पी द्वारा खालों में आम्लों कारक के रूप में	पर्मार्मान
9. म्लूकोनो इल्या लैफ्टान	हिया कारक न्याय पद्य और माम उत्पाद	5,000
10. डी एल लैफ्टिन प्रकीर्ण खालों में आन्ती-कारक अम्ल के रूप में (याद ब्रेड)	जी एम. पी. पर्मार्मान	पर्मार्मान
11. फास्कार्टिक अम्ल	पेप मृदुतेप	6,000
12. 6 फार्केट अम्लों से कम	(क) संताधिन पर्नी, इपल गांजे	10,000
पॉलिफालोफेट	(ख) दुख विनिर्मितिया	1,000
बाले	(ग) केर विवान	10,000
	(घ) प्रोटीन खाल आम्लों कारक	4,000
13. एल (+) अम्लों कारक अम्ल	आम्लों कारक	6,000

हिप्पण ——डी एल, लैफ्टिन अम्ल और एल (+) टार्टरिन अम्ल 12 मास में कव-ज्ञायु के अच्छों के खाल में नहीं भित्ताएँ जाएंगे (वैक्टिक अम्ल, जारनीय मातक संस्था अधिकारित विनिर्देशों के अनुरूप भी होती हैं।)

14. उक्त नियमों के परिणिःट "ख" में --

(क) मद क. 10 07 के पश्चात् निम्नलिखित नद अत्यन्तापित की जाएगी, अर्थात् ——

"ख" ॥ ०५ कर्ग ८ पॉलिंग में जो पाउडर अम्लों में जो भिटिंगनिया भिलिला (एन) टीव, (कैर, ऐर्ग्यूमिनोमांग)

के भूनीफालियों से प्राप्त होता है और भूसी से मुक्त होता। यह किसी कृतिम रंगक सुरुचिकारक बाह्य प्रवार्थ या काचन प्रवार्थ से मुक्त होता और विफल या शूणाजनक सुरुचि में मुक्त अच्छी सूखी और ताजा हालत में होता। यह निम्नलिखित मानकों के अनुरूप भी होता; अर्थात् —

- (i) कुल भस्म भार में 1.2 प्रतिशत से अधिक नहीं
- (ii) लग्न अभिनेष्ट भार में 5 प्रतिशत से अधिक नहीं।
- (iii) टैंक अतर्वैस्तु 0.1 प्रतिशत से कम नहीं और 0.15 प्रति से अधिक नहीं।

(ख) मद क 16.01 16.03-ग के 16.03, क 16.04, क 16.05 क, 16.06 क 16.07, क 16.09 और क 16.12 में “फ्यूरेशिक अम्ल का उपयोग 0.5 प्रतिशत की अधिकतम सीमा तक किया जा सकता है।” शब्दों और अंकों का लोप किया जाएगा;

(ग) मद क 16.02 में,—

- (i) खड़ (घ) का लोप किया जाएगा;
- (ii) इस प्रकार लोप किए गए खड़ (घ) के पश्चात् में निम्नलिखित परन्तुअ अत स्थापित किया जाएगा अर्थात् :— “परन्तु यह कि डिम्बा वत्र टमाटररम में बाह्य अनुशासन रग होगा,”
- (iii) अंत में आने वाले “फ्यूरेशिक अम्ल, का उपयोग 0.5 प्रतिशत की अधिकतम सीमा तक किया जा सकता है।” शब्दों और अंकों का लोप किया जाएगा।

टिप्पणि : खाद्य प्राप्तिश्वरण नियारण नियम, 1955 से संबंधित मूल नियम प्रथम बार भारत के राजपत्र, भाग-2, खण्ड 3 में का. नि. आ. 2106, तारीख 12.9.55 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात् उनमें निम्नलिखित द्वारा संशोधन किए गए—

1. का. नि. आ. 1202, तारीख 26.5.56
  2. का. नि. आ. 1687, तारीख 28.7.56
  3. का. नि. आ. 2213, तारीख 28.9.56 (अमाधारण)
  4. का. नि. आ. 2755, तारीख 24.11.56
- उसमें किए गए और संशोधन भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3 उपखण्ड (1) में निम्न प्रकार प्रकाशित किए गए थे—
5. मा. का. नि. 514, तारीख 28.6.58
  6. सा. का. नि. 1211, तारीख 20.21.58
  7. सा. का. नि. 425, तारीख 4.4.60
  8. सा. का. नि. 169, तारीख 11.2.61
  9. सा. का. नि. 1134, तारीख 16.9.61
  10. मा. का. नि. 1340, तारीख 4.11.61
  11. सा. का. नि. 1564, तारीख 24.11.61
  12. सा. का. नि. 1580, तारीख 20.10.64
  13. सा. का. नि. 1814, तारीख 11.12.65
  14. सा. का. नि. 74, तारीख 8.1.65
  15. सा. का. नि. 382, तारीख 19.3.66
  16. सा. का. नि. 1256, तारीख 26.8.67
  17. सा. का. नि. 1533, तारीख 24.8.68
  18. सा. का. नि. 2163, तारीख 14.12.68 (शुद्धिपत्र)
  19. सा. का. नि. 532, तारीख 8.3.69
  20. सा. का. नि. 1764, तारीख 26.7.69 (शुद्धिपत्र)
  21. सा. का. नि. 2068, तारीख 30.8.69
  22. सा. का. नि. 1869, तारीख 21.10.70
  23. सा. का. नि. 938, तारीख 12.6.71
  24. सा. का. नि. 992, तारीख 3.7.71
  25. सा. का. नि. 553, तारीख 6.5.72
  26. सा. का. नि. 436 (अ) तारीख 10.10.72

27. सा. का. नि. 133, तारीख 10.2.73
28. सा. का. नि. 205, तारीख 23.2.74
29. सा. का. नि. 850, तारीख 12.7.75
30. सा. का. नि. 508, (अ) तारीख 27.9.75
31. सा. का. नि. 63 (अ) तारीख 5.2.76
32. सा. का. नि. 754, तारीख 29.5.76
33. सा. का. नि. 856, तारीख 12.6.76
34. सा. का. नि. 1417, तारीख 2.10.76
35. सा. का. नि. 4(अ) तारीख 4.1.77
36. सा. का. नि. 18(अ) तारीख 15.1.77
37. सा. का. नि. 651 (अ), तारीख 20-10-77
38. सा. का. नि. 732 (अ), तारीख 5-12-77
39. सा. का. नि. 775 (अ), तारीख 27-12-77
40. सा. का. नि. 36 (अ) तारीख 21-1-78
41. सा. का. नि. 70 (अ), तारीख 8-2-78
42. सा. का. नि. 238 (अ) तारीख 20-4-78
43. सा. का. नि. 393 (अ), तारीख 4-8-78
44. सा. का. नि. 590 (अ) तारीख 23-12-78
45. सा. का. नि. 55 (अ) तारीख 31-1-79
46. सा. का. नि. 142 (अ), तारीख 16-3-79 (शुद्धिपत्र)
47. सा. का. नि. 231 (अ), तारीख 6-4-79
48. सा. का. नि. 423, तारीख 30-6-79 (शुद्धिपत्र)
49. सा. का. नि. 1043, तारीख 11-8-79 (शुद्धिपत्र)
50. सा. का. नि. 1210, तारीख 29-9-79 (शुद्धिपत्र)
51. सा. का. नि. 19 (अ), तारीख 28-1-80
52. सा. का. नि. 243, तारीख 1-3-80
53. सा. का. नि. 244, तारीख 1-3-80
54. सा. का. नि. 996, तारीख 8-9-80 (शुद्धिपत्र)
55. सा. का. नि. 579 (अ) तारीख 13-10-80
56. सा. का. नि. 652 (अ) तारीख 14-11-80
57. सा. का. नि. 710 (अ) तारीख 22-12-80
58. सा. का. नि. 23 (अ) तारीख 16-1-81
59. सा. का. नि. 205 (अ) तारीख 25-3-81 (शुद्धिपत्र)
60. सा. का. नि. 290 (अ) तारीख 13-4-81
61. सा. का. नि. 114, तारीख 2-5-81 (शुद्धिपत्र)
62. सा. का. नि. 503 (अ) तारीख 1-9-81
63. सा. का. नि. 891, तारीख 3-10-81 (शुद्धिपत्र)
64. सा. का. नि. 1056, तारीख 5-12-81 (शुद्धिपत्र)
65. सा. का. नि. 80 तारीख 23-1-82 (शुद्धिपत्र)
66. सा. का. नि. 44 (अ) तारीख 5-2-82
67. सा. का. नि. 57 (अ) तारीख 11-2-82
68. सा. का. नि. 245 (अ) तारीख 11-3-82
69. सा. का. नि. 307 (अ) तारीख 3-4-82 (शुद्धिपत्र)
70. सा. का. नि. 386, तारीख 17-4-82 (शुद्धिपत्र)
71. सा. का. नि. 422 (अ) तारीख 24-5-82
72. सा. का. नि. 476 (अ) तारीख 29-6-82
73. सा. का. नि. 504 (अ) तारीख 20-7-82
74. सा. का. नि. 753 (अ) तारीख 11-1-82 (शुद्धिपत्र)
75. सा. का. नि. 109 (अ) तारीख 26-2-83

- 76 मा.का.नि. 219 (अ), नारीब्र ९-३-८३  
 77 मा.का.नि. 268 (अ), नारीब्र १६-३-८३  
 78 मा.का.नि. 283 (अ), नारीब्र २६-३-८३  
 79 मा.का.नि. 314 (अ), नारीब्र १४-५-८३ (गुद्धिमत्र)  
 80 मा.का.नि. 539 (अ), नारीब्र १-७-८३ (गुद्धिमत्र)  
 81 मा.का.नि. 634, नारीब्र ५-९-८३ (गुद्धिमत्र)  
 82 मा.का.नि. 745 नारीब्र ८-१०-८३ (गुद्धिमत्र)  
 83 मा.का.नि. 790 (अ), नारीब्र १०-१०-८३  
 84 मा.का.नि. 803 (अ), नारीब्र २७-१०-८३  
 85 मा.का.नि. 816 (अ), नारीब्र ३-११-८३  
 86 मा.का.नि. 829 (अ), नारीब्र ७-११-८३  
 87 मा.का.नि. 848 (अ), नारीब्र १९-११-८३  
 88 मा.का.नि. 893 (अ), नारीब्र १७-१२-८३  
 89 मा.का.नि. 113 (अ), नारीब्र २०-१-८४ (गुद्धिमत्र)  
 90 मा.का.नि. 500 (अ), नारीब्र ९-७-८४  
 91 मा.का.नि. 612 (अ), नारीब्र १८-८-८४ (गुद्धिमत्र)  
 92 मा.का.नि. 744 (अ), नारीब्र २७-१०-८४

[पं. 15014/6/82-पी. एन् (एक लाङ ग्राम) पी.एफ.ए]

प्रग. वी. मुद्रामण्डल, गवर्नमेंट मशिव

### MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 15th November, 1984

### NOTIFICATION

G.S.R. 764(E).—Whereas certain draft rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, were published as required by sub-section (1) of section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954) with the notification of Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) No. 9(E), dated the 4th Jan., 1984 in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (1) dated the 4th January, 1984 at pages 1—8, inviting objections and suggestions from all the persons likely to be affected thereby before the expiry of ninety days from the date on which copies of the Gazette of India in which the said notification was published, were made available to the public;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 4th January, 1984 and the objections and suggestions received from the public on the said draft rules have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 23 of the said Act, the Central Government, after consultation with the Central Committee for Food Standards hereby makes the following rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, namely:—

### RULES

I. (1) These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (Third Amendment) Rules, 1984.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette except rules 2, 3, 4, 5, 7(a), 9, 10(b), 14(b) and 14(c) which shall come into force after one year from the date of such publication.

2. In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, (hereinafter referred to as the said rules) in rule 26,—

(a) clause (g) shall be omitted;

(b) for the Explanation, the following Explanation shall be substituted, namely :—

“Explanation :—In the preparation of the solution of annatto colour in oil, any edible vegetable oil listed in Appendix ‘B’ to these rules may be used either singly or in combination and the name of the oil or oils used shall be mentioned on the label as provided in sub-rule (Z) of rule 42.”

3. In rule 29 of the said rules,—

(i) for clause (f), the following clause shall be substituted, namely :—

“(f) bottled or canned strawberries, and cherries, bottled or canned peas, preserved or processed papaya, canned tomato juice, fruit syrup, fruit squash, fruit beverage or fruit drink, jam and marmalade”;

(ii) clause (1) shall be omitted;

4. In rule 42 of the said rules, after sub-rule (v), the following sub-rule shall be inserted, namely :—

“(z) A package containing annatto colour in vegetable oils shall bear the following label, namely :—

Annatto colour in oil  
(Name of oil/oils) used”

5. In rule 48-A of the said rules, for clause (vi), the following clause shall be substituted, namely :—

“(vi) All food colours, including natural colouring matter and permitted coaltar food colours, their preparation or mixtures, except saffron and curcumin, shall be sold only under Indian Standards Institution Certification mark.”

6. In rule 53 of the said rules,—

(a) in clause (i),—

(i) item (e) and entry relating thereto, shall be omitted;

(ii) after item (k) and the entry relating thereto, the following item and entry shall be inserted, namely :—

“(1) edible vegetable oil;”

(b) in clause (ii), in item (e), the word “and” shall be omitted and after item (f) and the entry relating thereto, the following items and entries shall be inserted, namely :—

“(g) Methyl or propyl Parahydroxy-Benzoate.

(h) Propionic acid, including esters or salts thereof.

(i) sodium diacetate, and

(ii) sodium, potassium and calcium salts of lactic acid.”

7. In rule 55 of the said rules, in the table—

(a) in item No. 2, for sub-item (a) and entries relating thereto, the following sub-item and entries shall be substituted, namely :—

“(a) cherries	Sulphurdioxide	2000”
---------------	----------------	-------

(b) after item 31 and the entries relating thereto the following items and entries shall be substituted, namely :—

1	2	3
---	---	---

“(a) Soups (other than canned)	Sulphurdioxide	150
(b) Dried soups	Sulphurdioxide	1500
(c) Dehydrated soup mix, when packed in containers other than cans	Sulphurdioxide	1500

1	2	3
33 Flours and vegetable flakes, powder, lugs	Sulphur dioxide	600
34 Flour for baked food	Sodium diacetate or Proprietary Methyl propyl hydroxy Benzoate	2500 3200 500

8 In part X of the said rules after rule 55A, the following rule shall be inserted, namely —

\* 55B Restriction on use of nitrate and nitrite—No nitrate or nitrite shall be added to any infant food.”

9 After Part XI of the said rules, the following Part shall be inserted, namely —

#### “PART XII—CROP CONTAMINANTS AND NATURALLY OCCURRING TOXIC SUBSTANCES

57 A Crop contaminants (1) Crop contaminant means any substance not intentionally added to food, but which gets added to articles of food in the process of their production (including operations carried out in crop husbandry, animal husbandry and veterinary medicine) manufacture, processing, preparation, treatment, packing, packaging, transport or holding of articles of such food as a result of environmental contamination.

(2) No article of food specified in column (2) of the Table below shall contain any crop contaminant specified in the corresponding entry in a column (1) the total excess of quantities specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

Name of the contaminants	Article of Food	mg/kg
(1)	(2)	(3)
Aflatoxin	All articles of food	0.03

#### 57 B-NATURALLY OCCURRING TOXIC SUBSTANCES

The toxic substances specified in column (1) of the Table below, which may occur naturally in any article of food, shall not exceed the limit specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table —

TABLE

Name of substance	Maximum limit
(1)	(2)
Agaric acid	100 ppm
Hydrocyanic acid	5 ppm
Hypéricine	1 ppm
Saffrole	10 ppm

10 In rule 59 of the said rules,—

(a) in the a proviso for item 5 and the entries relating thereto, the following item and entries shall be substituted, namely —

\* Ascorbyl Palmitate 0.02 per cent.

(b) in the fifth proviso, the word brackets and letters “and butylated hydroxytoluene (BHT) either singly or in combination shall be omitted

11 In rule 62 of the said rules, for the proviso, the following proviso shall be substituted namely —

“Provided that table salt, onion powder, garlic powder, fruit powder and soup powder may contain the following

anticaking agents in quantities not exceeding 2.0 per cent, either singly or in combination namely —

- (1) carbonates of calcium and magnesium
- (2) phosphate of calcium and magnesium
- (3) silicates of calcium, magnesium aluminium or sodium or silicon dioxide
- (4) myristates, palmitates or stearates of aluminium ammonium calcium potassium or sodium

12 In part XIII of the said rules,—

(a) for the heading the following heading shall be substituted, namely —

#### “PART-XIII—FLAVOURING AGENTS AND RELATED SUBSTANCES”

(b) for rules, 64, 64A, 64AA and 64B the following rules shall be substituted, namely —

\* 64—solvent in flavour—Diethylene Glycol and Monoethylether shall not be used as solvent in flavours

64-A Use of anti-oxidants emulsifying and stabilising agents and food preservatives in flavour—The flavouring agents may contain permitted anti-oxidants emulsifying and stabilising agents and food preservatives

64B—Use of monosodium glutamate—Monosodium glutamate may be added to an article of food provided the total glutamate content of the ready-to-serve food does not exceed 1 per cent. It shall not be added to any food for use by the infant below twelve months.”

13 After Part XV of the said rules the following Part shall be inserted, namely —

#### “PART XVI—SEQUESTRING AND BUFFERING AGENTS (ACIDS BASES AND SALTS)

70 Definition of sequestering agents—The sequestering agents are substances which prevent adverse effect of metals catalysing the oxidative breakdown of foods forming chelates, thus inhibiting decolorisation, off taste and rancidity

71 Definition of buffering agents—Buffering agents are materials used to counter acidic and alkaline changes during storage or processing steps, thus improving the flavour and increasing the stability of foods

72 Restrictions on the use of sequestering and buffering agents—Unless otherwise provided in these rules the sequestering and buffering agents specified in column (1) of the Table below, may be used in the group of food specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table, in concentration not exceeding the proportions specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE

Name of sequestering and buffering agents	Groups of food	Maximum level of use (parts per million) (ppm) (mg/kg)
1 Acetic Acid	—	—

(i) Acidulant buffering agent in neutralising agents in C M P beverages, soft drinks	1 limited by
(ii) in cleaned baby foods	5000

		मार्गन का राजपत्र मसाधारण
1	2	3
2	Adipic acid Salt substitute and dietary food	250
3	Ammonium Phosphate monobasic	2,500
4	Ammonium Carbonate As a leavening agent for baked foods, confectionery	5,000
5	Calcium gluconate In confectionery	2,500
6	Calcium carbonate As a neutralizer in number of foods	10,000
7	Calcium oxide As a neutralizer in specified dairy products	2,500
8	Citric acid Malic acid Carbonated beverage and as an acidulant in miscellaneous foods	Limited by G M P
9	Gluconodelta Lactone As a leavening agent in cured meat or meat products	5,000
10	DL Lactic acid (less lactic acid) As acidulant in miscellaneous foods	Limited by G M P
11	Phosphoric acid Beverages, soft drinks	600
12	Polyphosphate (i) Processed or raw bread containing less than 6 phosphate moieties	40,000
	(b) Milk Preparations	4,000
	(c) Cake mixes	10,000
	(d) Protein foods	4,000
13	(+) Tartaric acid Acidulants	600
	—	—

Note DI Lactic acid and (+) Tartaric acid shall not be added to any food meant for children below 12 months (The lactic acid shall also conform to the specification laid down by the Indian Standards Institution)"

14 In Appendix B to the said rules,—

(a) after item A 10.07 the following item shall be inserted, namely —

"A 10.08—Carob powder means the powder obtained from the roasted pods of carob (fibbed carob) of Ceratonia Silqua (L.) Taub (Fam Leguminosae) and shall be free from husk. It shall be free from any artificial colouring flavouring, extraneous matter or glazing substance and shall be in sound dry and fresh condition free from rancid or obnoxious flavours.

It shall also conform to the following standards, namely —

(i) Total Ash Not more than 1.2 per cent by weight

(ii) Acid insoluble matter Not more than 5 per cent by weight

(iii) Tannin content Not less than 0.1 per cent and not more than 0.15 per cent",

(b) in item A 16.01, A 16.03, A 16.04, A 16.05, A 16.06, A 16.07, A 16.09 and A 16.12, the words and figures "Fumaric acid may be used upto a maximum limit of 0.5 per cent, shall be omitted

(c) in item A 16.02 —

(i) clause (d) shall be omitted

(ii) after clause (d) is so omitted, the following proviso shall be inserted, namely —

"Provided that canned tomato juice may also contain extraneous permitted colour",

(iii) the words and figures "Fumaric acid may be used upto a maximum limit of 0.5 per cent", occurring at the end shall be omitted

Note The Prevention of Food Adulteration Rules, 1955 were first published in Part II Section 3 of the Gazette of India vide S R O 2106 dated 12-9-55 and subsequently amended as follows by

1 S R O 1202 dt 25-5-56

2 S R O 1687 dt 28-7-56

3 S R O 2213 dt 28-9-56 (Extraordinary)

4 S R O 2755 dt 24-11-56

The further amendments were published in Part II, Section 3 sub-section (i) of Gazette of India as follows by —

5 G S R 514 dt 28-6-58

6 G S R 1211 dt 20-12-58

7 G S R 425 dt 4-4-60

8 G S R 169 dt 11-2-61

9 G S R 1134 dt 16-9-61

10 G S R 1340 dt 4-11-61

11 G S R 1564 dt 24-11-62

12 G S R 1589 dt 22-10-64

13 G S R 1814 dt 11-12-65

14 G S R 74 dt 8-1-66

15 G S R 382 dt 19-3-66

16 G S R 1256 dt 26-8-67

17 G S R 1533 dt 24-8-68

18 G S R 2163 dt 14-12-68 (Corrigendum)

19 G S R 532 dt 8-3-69

20 G S R 1764 dt 26-7-69 (Corrigendum)

21 G S R 2068 dt 30-8-69

22 G S R 1809 dt 24-10-70

23 G S R 938 dt 12-6-71

24 G S R 992 dt 3-7-71

25 G S R 553 dt 6-5-72

26 G S R 436 (E) dt 10-10-72

27 G S R 133 dt 10-2-73

28 G S R 205 dt 23-2-74

29 G S R 840 dt 12-7-75

30 G S R 508 (E) dt 27-9-75

31 G S R 63 (F) dt 5-2-76

32 G S R 754 dt 29-5-76

33 G S R 856 dt 12-6-76

34 G S R 1417 dt 2-10-76

35 G S R 4(E) dt 4-1-77

36 G S R 18(E) dt 15-1-77

37 G S R 651(E) dt 20-10-77

38 G S R 732 (E) dt 5-12-77

39 G S R 775(E) dt 27-12-77

40 G S R 36 (E) dt 21-1-78

41 G S R 70 (E) dt 8-2-78

42 G S R 238 (E) dt 20-4-78

43 G S R 393 (E) dt 4-8-78

44 G S R 590 (E) dt 23-12-78

45 G S R 55 (F) dt 31-1-79

46 G O 142 (E) dt 16-3-79 (Corrigendum)

47 G S R 231 (E) dt 6-4-79

48 G S R 423 dt 30-6-79 (Corrigendum)

49 G S R 1043 dt 11-8-79 (Corrigendum)

50 G S R 1210 dt 29-9-79 (Corrigendum)

51. G.S.R. 19(E) dt. 28-1-80  
 52. G.S.R. 243 dt. 1-3-80  
 53. G.S.R. 244 dt. 1-3-80  
 54. G.S.R. 996 dt. 8-9-80 (Corrigendum)  
 55. G.S.R. 579 (E) dt. 13-10-80  
 56. G.S.R. 652 (E) dt. 14-11-80  
 57. G.S.R. 710 (E) dt. 22-12-80  
 58. G.S.R. 23 (E) dt. 16-1-81  
 59. G.S.R. 205 (E) dt. 25-3-81 (Corrigendum)  
 60. G.S.R. 290 (L) dt. 13-4-81  
 61. G.S.R. 444 dt. 2-5-81 (Corrigendum)  
 62. G.S.R. 503 (E) dt. 1-9-81  
 63. G.S.R. 891 dt. 3-10-81 (Corrigendum)  
 64. G.S.R. 1056 dt. 5-12-81 (Corrigendum)  
 65. G.S.R. 80 dt. 23-1-82 (Corrigendum)  
 66. G.S.R. 44 (E) dt. 5-2-82  
 67. G.S.R. 57 (E) dt. 11-2-82  
 68. G.S.R. 245 (E) dt. 11-3-82  
 69. G.S.R. 307 (E) dt. 3-4-82 (Corrigendum)  
 70. G.S.R. 386 dt. 17-4-82 (Corrigendum)  
 71. G.S.R. 422 (E) dt. 24-5-82  
 72. G.S.R. 476 (E) dt. 29-6-82  
 73. G.S.R. 504 (L) dt. 20-7-82 (Corrigendum)  
 74. G.S.R. 753 (E) dt. 11-12-82 (Corrigendum)
75. G.S.R. 109 (E) dt. 26-2-83  
 76. G.S.R. 249 (E) dt. 8-3-83  
 77. G.S.R. 268 (L) dt. 16-3-83  
 78. G.S.R. 283 (E) dt. 26-8-83  
 79. G.S.R. 329 (E) dt. 14-4-83 (Corrigendum)  
 80. G.S.R. 539 (E) dt. 1-7-83 (Corrigendum)  
 81. G.S.R. 634 dt. 9-8-83 (Corrigendum)  
 82. G.S.R. 743 dt. 8-10-83 (Corrigendum)  
 83. G.S.R. 790 (F) dt. 10-10-83  
 84. G.S.R. 808 (L) dt. 27-10-83  
 85. G.S.R. 816 (F) dt. 3-11-83  
 86. G.S.R. 829 (E) dt. 7-11-83  
 87. G.S.R. 848 (E) dt. 19-11-83  
 88. G.S.R. 893 (E) dt. 17-12-83 (Corrigendum)  
 89. G.S.R. 113 dt. 20-1-84 (Corrigendum)  
 90. G.S.R. 500 (F) dt. 9-7-84  
 91. G.S.R. 612 (E) dt. 18-8-84 (Corrigendum)  
 92. G.S.R. 744(L) dt. 27-10-84.

[No. P-15014/6/82-PH(F&N)/PFA]  
 S.V. SUBRAMANIAN, Jt. Secy.